

SOULIFY

Rediscover The Infinite

# हमारा रामगढ़





## **Foreword**

Our youth have been migrating to the cities from our villages. We cannot prevent our youth from exploring the world, however we can encourage them to spread the fragrance and beauty of their homeland rather than just its challenges and limitations.

Through this creative workshop facilitated by Soulify, the students of Sunrise School have identified the wonders of their Ramgarh village and shared them with a sense of love and belonging.

Anju Di  
Sri Aurobindo Ashram, Madhuban

**Written by**

Students of Sunrise School, Ramgarh  
4th to 8th Standard

**Initiated by**

Anju Di and Tara Di  
Sri Aurobindo Ashram, Madhuban

**Supported by**

Tarish Bhai  
Sunrise School

**Facilitated by**

Siddharth Maskeri

**Produced by**

Smriti Raj

**Published by**

Soulify

Name — Chitra काव्य

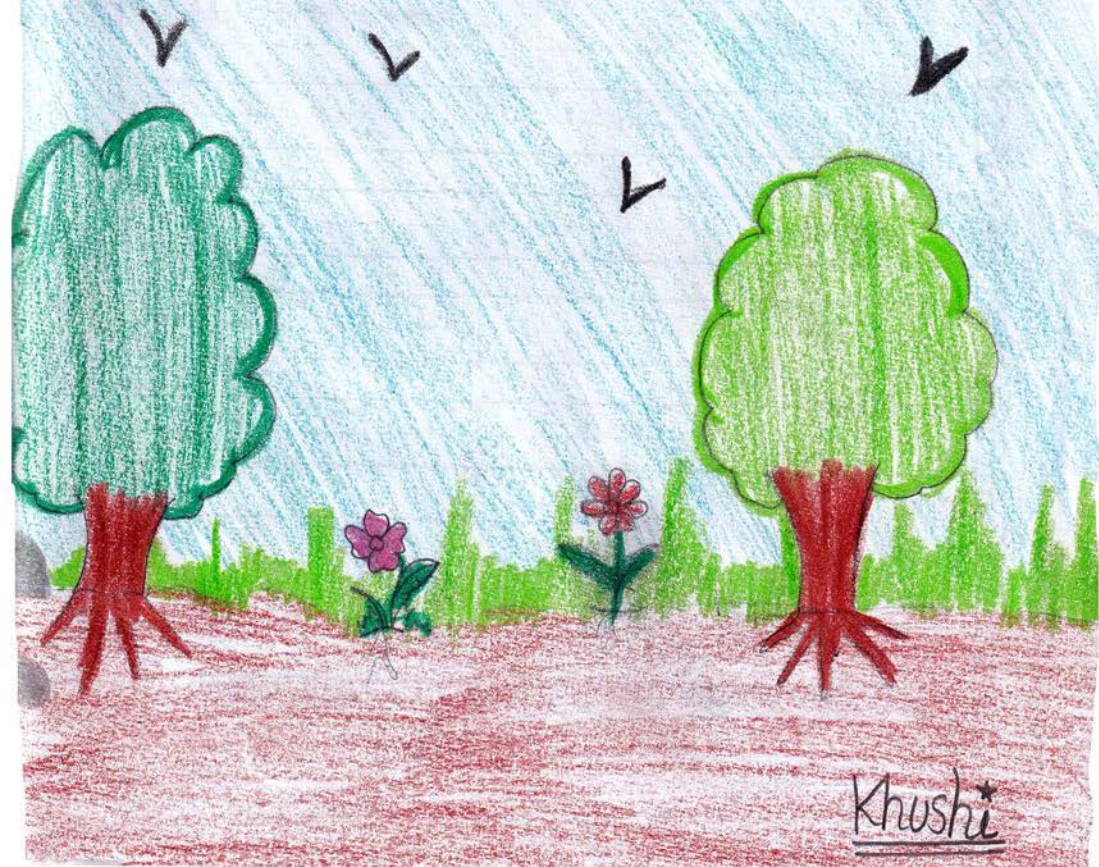
- 1 → रामगढ़ में शुद्ध हवा चलती है।
- 2 → रामगढ़ के फूलों से हमें सुगंध हवा मिलती है।
- 3 → रामगढ़ में जब तेज की हवा चलती है तो पत्तों और पेड़ों के फल गिर जाते हैं।
- 4 → रामगढ़ में जब हवा चलती है तो हमारे घर की खिड़किया बजने लग जाती हैं।
- 5 → रामगढ़ में जब गर्मी में हवा चलती है तो ठंडा महसूस होता है।
- 6 → रामगढ़ में जब हवा पड़ती है तो पेड़-पौधे टूट जाते हैं।





# रामगढ़ की मिट्टी

रामगढ़ की मिट्टी बहुत अच्छी, मलायम  
ठंडी होती है। यंत्र की मिट्टी का रंग भूरा होता है।  
बहुत सारी जगह पर तो बड़े-2 पत्थर भी होते हैं, जिसे  
पत्थरीली मिट्टी बोलते हैं। इस मिट्टी पर बहुत से पेड़  
उगाते हैं। रामगढ़ की मिट्टी बहुत उपजावपन होती है।  
मुझे रामगढ़ की मिट्टी बहुत अच्छी लगती है।



Khushi



# रामगढ़ का पानी



धारा का पानी श्रोत का होता है, और हम उसे पीते हैं। हम छोटी-छोटी जगह पर पानी को इकट्ठा कर लेते हैं। फिर हम उसका उपयोग करते हैं, जैसे - पेड़-पौधों में पानी के लिए। हम सब पानी का उपयोग करते हैं, जैसे - खाना बनाना, कपड़े धोना, बरतन धोना आदि। हम पानी का उपयोग स्नान घर व शौचालय में भी करते हैं। हमें पानी का दुरुपयोग नही करना चाहिए।

Ankita - mer\*



गर्मियों में रामगढ़ का मौसम बड़ा ही सुहावना होता है। पेड़-पौधों के कारण यह गर्मियों में भी ठंडी-ठंडी और सुकून देने वाली हवाएँ बल्ती हैं। यहां का मौसम सभी लोगों के साथ-साथ पशु-पक्षियों को भी राहत देता है। अक्सर बाहर शहरों से भी काफी लोग घूमने रामगढ़ आते हैं। क्योंकि शहरों में भीषण गर्मी पड़ रही है बिना पंखे, A.C और कूलर के हमें रामगढ़ में ठंडी हवा मिलती है। मैं बहुत खुश हूँ कि मैं रामगढ़ में रहता हूँ।



पेड-पौधे

Name - Amit

- 1→ रामगढ़ में कई सारे पेड. पौधे हैं, A फलदार हैं
- 2→ वे शुद्ध हवा शुद्ध पानी देते हैं,
- 3→ रामगढ़ में कई तरह के फल होते हैं जैसे - आड़ू, फूलगोभी और खुमाना आदि होते हैं,
- 4→ हमारे यहाँ पौधे कई तरह के होते हैं,
- 5→ उनके नाम आलू, गोभी, बैंगन, लोन्नी आदि चीजें



# फल

- 1- रामगढ़ में आड़, खेव, नासपति, सुखानी, वृषभ <sup>के</sup> फल <sup>आते</sup> फल होते हैं,
- 2- हम फलों से पानी डालते हैं,
- 3- रामगढ़ के फल अच्छी उग जाते हैं,
- 4- आड़ शरबीयों के मौसम में होते हैं,
- 5- मालटे मरकियों के मौसम में होते हैं,



NAME BHAVIKA NEGI



NAME - RADHA BISHI फूल

1 → रामगढ़ के फूल अलग-अलग प्रकार के होते हैं!

2 → यह फूल बहुत सेंद्र होते हैं।

3 → फूल से बहुत अच्छी खुशबू आती है।

4 → रामगढ़ में अलग अलग रंग के फूल होते हैं जैसे गुलाब, सूरजमुखी, कमल,





# रामगढ़ की सब्जी

- 1- रामगढ़ में पालक, दही सब्जी, आलू, सिमला मिर्च, बैंगन, भिन्डी, और अधिक तरह की सब्जीया होती है
- 2- रामगढ़ में दूर-दूर तक पानी लेने जाना पड़ता है
- 3- जादा तर पछा लोगो को दही सब्जी पसंद आती है
- 4 पछा की सब्जी बहुत स्वादिष्ट होती है
- 5 और पछा की सब्जी बहुत उच्च उगाती है।
- 6 पछा के कुछ लोग अपनी उगाई हुई सब्जीया बाजार में बेचकर अपने घर का खर्चा उठाते है।



Diksha



RANJANA - PANDAY CLASS 4th

पहाड़ों में हमें बहुत अच्छा लगता है, यहाँ बहुत  
सुंदर पेड़ नदियाँ अनेक प्रकार की चिड़ियाँ देखने को  
मिलती हैं, और पहाड़ों में हमें वन्य जानवरों को  
मिलती हैं और पहाड़ों में सैर करने में छुट्टियों में  
आना है, पहाड़ों में अनेक प्रकार के  
फल-फूल खाने को मिलते हैं जैसे सेब, आड़ू  
पुलम, काफल आदि प्रकार के फल खाने को  
मिलते हैं और हमारे पहाड़ों में अनेक प्रकार की  
नदियाँ हैं, जिससे हमें देखने में आनंद आता है,  
और हमारे पहाड़ों में अनेक प्रकार के पेड़  
होते हैं जिनसे ठण्डी हवा हमें सूखती है  
और हमारा पहाड़ महान है।





## सड़क और शस्त्र

- शस्त्र की सड़क में बहुत गड्डे और खास हैं।
- शस्त्र का शस्त्र बड़ा बड़ा मंडा है,
- शस्त्र की शस्त्रों में शस्त्र हैं,
- शस्त्र के शस्त्र में पेड़ फोड़े खे हैं,

Name → Kanchan



# कठिनाई

1. रामगड हमें यह परेशानी है कि जहाँ के घर में अगर पानी नहीं होता तो उसे पानी लेने दूधघरे के घर में पानी लेने जाना पड़ता है और सबसे बड़ी बात यह है कि यहाँ सब लोग खेती करते हैं जैसे मटर आलु धान टमाटर आदि बिना बोते हैं और इसे बोने में बहुत कठिनाई होती है जैसे पहले खेतना फिर क्यारी बनाना फिर उसमें पानी डालना फिर उसके बाद उसमें बिज डालना उसके बाद मुरना और रोज सुबह शाम पानी डालना और यहाँ कभी पश्चानी तो यह है कि यहाँ ज्यादातर लोग कबाड़ कहीं भी पैक देते हैं और यहाँ सबसे कठिनाई की बात यह है कि यहाँ के बच्चे जो हैं वह तुलुका से बात करते हैं और गली भी लेते हैं और कोई बच्चे तो स्कूल में स्कूल बार मारते हैं और यहाँ रोज सुबह लोग बसों में दुख देने जाते हैं यहाँ कोई कोई लोग इन्से गल्लि है कि कभी कभी उनको सुखा मुना पड़ता है और जो लोग यह पैसे जें रखते हैं उन्हें कभी कभी अपने शक्ति की बात सुन्नी पड़ती है।

और मुझे तो सबसे बड़ी कठिनाई यह है कि बड़े स्कूल में दिया हो कर कक्षा अच्छा गली लमाल और जो लोग बिडी पिकर दुस्रो के मुँह में फुकाते हैं वह लोग मुझे बहुत गंदे मारते हैं और यहाँ यह परेशानी है कि यहाँ बच्चे 3-4 मीलो मीटर का शक्ता स्कूल के लिए तय करना पड़ता है



## रामगढ़ की भाषा

- यहाँ कुछ लोग पहाड़ी बोलते हैं।
- यहाँ हिन्दी भी बोलते हैं।
- यहाँ बहुत भाषा बोलते हैं।
- कोई नेपाली भी बोलते हैं।
- भाषा बहुत प्रकार की होती है जैसे-

- हिन्दी
- नेपाली
- पहाड़ी
- अंग्रेजी

• रामगढ़ में ज्यादा पहाड़ी बोली जाती है।

- तुम क्या कर रहे हो।
- तुम के करन छ।
- तुम्हारा नाम क्या है।
- तुमर नाम के छ।
- तुम वहाँ से आये हो।
- तुम कौं की से छ।
- तुम को कहाँ जाना है।
- तुम्हारे का जन छ।

Name = Tanuja Darnwal



# राम्राट का खाना

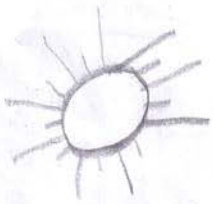


यहाँ का खाना बहुत स्वादिष्ट होता है, हमारे यहाँ खाना कई प्रकार का बनता है। जैसे चावल, दाल, सब्जी, रोटी आदि, यहाँ त्योहारों में भी बहुत प्रकार के बनाते हैं, खीर, दलवा आदि।  
भोजन

खाना हमारे जीवन का महत्व पूर्ण हिस्सा है, खाना के बिना हमारा जीवन अधूरा है।



# गाने



गाने

रामगढ़ में बहुत तरह के गाने होते हैं, जैसे- रोमली की गाथा  
दूर लगे नकी की नका दूरी रं बत गाव की



1- रामगढ़ में गर्मी के मौसम में काटन के कपड़े पहनते हैं।

2- रामगढ़ में साड़ी, सूट और फ्राक पहनते हैं।

3- रामगढ़ में सर्दी के मौसम में ऊनी कपड़े पहनते हैं।

नाम- दिशा बिष्ट

# रामगढ़ की कहानियाँ

एक बार की बात है। मेरी माम्मी खाना पका रही थी।  
लेकिन उतने में गैस खतम होकर गई। मेरी माम्मी ने और  
मेरे चाचा ने गैस सिलेंडर लगाने लगे। लेकिन उस में वायर  
नहीं था। इसी वजह से गैस सिलेंडर में आग लग गई।  
पर मेरे चाचा ने गैस सिलेंडर को हाथ से बाहर निकाल  
दिया। और जैसे ही उन्होंने बाहर निकाला वैसे ही उन्होंने उसे  
पर गिरी दूरी दल है। और उन्होंने उसे हमारे घर के प्रांगे खेत में  
फेंक दिया। और फिर सिलेंडर की आग बुझ गई।



Name - Justin Dornwal  
Class - 4th



## रामगढ़ के जानवर, चिड़िया

रामगढ़ में बहुत से जानवर पाये जाते हैं। पहाँ के लोगो ने बहुत जानवर पाले हैं। जैसे - गाध, भैंस, कुत्ता, बिल्ली, बकरी, घोड़ा आदि। पहाँ बहुत - सी चिड़ियाँ भी हैं।

जैसे - तोता, गौरैया, कौआ, बुलबुल, मैना, कबूतर आदि। इन चिड़ियों की आवाज बहुत सधुर होती है। पहाँ जंगली जानवर भी पाल जाते हैं जैसे - बंदर, शेर, सुअर, काकड़ (जंगली हिरन), बाघ, भैंस।



## About Soulify

Soulify empowers people to discover and express their creativity. The tagline — Discover The Infinite — aptly describes the efforts of this novel venture. Change is an eternal romance between the creator (energy) and the creation (matter). We prefer to call it transformation. Through our workshops, our participants connect with the creator hidden within themselves and develop the power to transform their creations, starting with the self,” says Siddharth. The aim is to encourage individuals to imagine, innovate and create and not become mere robots efficient at carrying out instructions. The focus is on the idea, the thought and the story waiting to be shared. Language, grammar, spelling, drawing techniques are secondary. Soulify’s effort is to help people break their internal barriers and express their minds. In the words of Manjul Bharadwaj, noted theatre personality, creator of ‘Theatre of Relevance (TOR)’ and mentor, “Soulify - Bringing Ideas to Life - is a wonderful initiative which makes the world better and humane by facilitating the artistic persona of individuals and groups through innovative and creative interventions!”

Siddharth and Smriti conceived Soulify, an effort to encourage individuals to empower themselves by identifying and connecting with the creator within. In a short span of a year, they have reached out to children from various socioeconomic backgrounds, homeschoolers and unschoolers, Udaipur jail inmates and various adults wanting to explore and share their creativity. Their initiatives under the Soulify umbrella — Creators Connect, Story Bus, Creators Envisioning Forum, I - Literature, Theatre of Relevance based self awareness sessions, Nature & Awareness sessions and Storytellers Learning Centre have been designed to bring to life stories hidden in the minds of people.

### **Follow Us**

<https://www.facebook.com/soulifyideas>

[www.soulify.co](http://www.soulify.co)



